प्रदत्त कार्य – एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत वर्ष 2018–2019

महाकाव्य एवं गीतिकाव्य

पूर्णांक : 30
न्यूनतम : 12

नोट :– सभी प्रष्न हल करना अनिवार्य है । सभी प्रष्नों के अंक समान है ।

प्रश्न–1 सौन्दर्यलहरी के साहित्यिक सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न–2 पूर्वमेघ का सारांश लिखिए।
प्रश्न–3 मेघदूतम् का काव्यत्व की दृष्टि से मूल्यांकन कीजिए।
प्रश्न–4 शिशुपालवधम् के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्रांकन कीजिए।
प्रश्न–5 नैषधीयचरितम् महाकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

प्रदत्त कार्य – एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत वर्ष 2018–2019

गद्य पद्य तथा चम्पू

पूर्णांक : 30
न्यूनतम : 12

नोट :– सभी प्रष्न हल करना अनिवार्य है । सभी प्रष्नों के अंक समान है ।

प्रश्न–1 महाश्वेता का चरित्र–चित्रण कीजिए।
प्रश्न–2 चन्द्रापीड की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न–3 दशकुमारचरितम् में प्रतिपादित तत्कालीन समाज का वर्णन कीजिए।
प्रश्न–4 विक्रमांकदेवचरितम् महाकाव्य के प्रथम सर्ग की कथावस्तु लिखिए।
प्रश्न–5 चम्पूकाव्य के विकास में त्रिविक्रमभट्ट के योगदान पर प्रकाश डालिए।

प्रदत्त कार्य – एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत वर्ष 2018–2019

नाटक एवं नाट्यशास्त्र

पूर्णांक : 30
न्यूनतम : 12

नोट :– सभी प्रष्न हल करना अनिवार्य है । सभी प्रष्नों के अंक समान है ।

प्रश्न–1 मृच्छकटिकम् के नामकरण की सार्थकता सिद्ध कीजिए।
प्रश्न–2 चारूदत्त की चारित्रिक विशेषताओं को निरूपित कीजिए।
प्रश्न–3 मुद्राराक्षस की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न–4 नाट्यशास्त्र प्रथम अध्याय के आधार पर नाट्य के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न–5 दशरूपक के अनुसार पाँच अर्थ–प्रकृतियों को स्पष्ट कीजिए।

प्रदत्त कार्य – एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत वर्ष 2018–2019

विशेष कवि कालिदास

पूर्णांक : 30
न्यूनतम : 12

नोट :– सभी प्रष्न हल करना अनिवार्य है । सभी प्रष्नों के अंक समान है ।

प्रश्न–1 रघुवंश द्वितीय सर्ग की विशेषताएँ लिखिए।
प्रश्न–2 पार्वती की तपश्चर्या का वर्णन कीजिए।
प्रश्न–3 कुमारसम्भम् पंचमसर्ग की कथावस्तु लिखिए।
प्रश्न–4 नाट्यकला की दृष्टि से मालविकाग्निमित्रम् नाटक की समीक्षा कीजिए।
प्रश्न–5 कालिदास के महाकाव्यो में प्रकृति–चित्रण की बहुलता दृष्टिगोचर होती है। समीक्षा कीजिए।